

अमीर और कामयाब

बनने में रुकावटें

Some Obstacles in Getting Rich & Successful Person

अमीर और कामयाब बनने में रुकावट नं.1

No.1 Obstacle in Getting Rich & Successful Person

जो डर गया समझो मर गया : सफलता का दुश्मन नम्बर एक अमीरी और सफलता का दुश्मन नम्बर एक डर ही है जो हमेशा हमारी सफलता को बाधित करने का प्रयास करता है। जो इसकी गिरफ्त में आ जाता है वो सफलता से भी दूर होता चला जाता है, क्योंकि यह सीधे हमारे आत्मविश्वास पर चोट करता है। जिस तरह बकरी व भेड़िये की कहानी में बकरी भेड़िये की छाया देखते ही डर जाती है और वहीं जड़ हो जाती है, हिलती-डुलती नहीं है। जबकि अगर वो भागना चाहे तो जान बचा सकती है, परन्तु डर उस पर इतना हावी हो जाता है कि उसमें हिलने-डुलने की शक्ति ही नहीं रहती।

जापान की एक लोककथा है कि एक भूत दिन-रात किसी को तंग करता था। वो इंसान बेचारा इतना दुःखी हो गया कि उसने डरते-डरते एक दिन भूत से पूछा, 'भूत महोदय, आप मुझे इतना क्यों डराते हो, आखिर मैंने तुम्हारा क्या बिगाड़ा है?'

भूत हँसकर बोला, 'अरे भाई, इसके लिए तुम स्वयं दोषी हो। अगर तुम मेरे से डटकर मुकाबला करोगे तो मैं भला तुम्हारा क्या

बिगाड़ सकता हूँ? जरा मुकाबला तो करके देखो।' इंसान ने अपनी शक्ति, आत्मविश्वास तथा भगवान की दी महाशक्तियों को भी इस डर के भूत के बस में होकर भुला दिया है। वैसे ही तुमने जिस भूत के डर को जन्म दिया है, उस डर को अपने में विचारों की शक्ति पैदा करके भगा सकते हो। इस डर के ताले को तो विचारों की ताली की सबल शक्ति से ही खोला जा सकता है। किसी लाठी या तलवार से नहीं।

भागें नहीं डर से : साहस से ही अमीरी और सफलता मिलती है

एक प्राचीन कहानी में किसी शहर का एक व्यक्ति जिन्दगी से तंग आकर एक ऊँची पहाड़ी पर चढ़कर आत्महत्या करने जा रहा था, तो एक आदमी ने उसको सलाह दी कि पहाड़ी से कूदकर मरोगे तो तुम्हारी हड्डियाँ चकनाचूर हो जाएंगी और मरने में तुम्हें बड़ा कष्ट होगा। इससे अच्छा तो तुम्हारे सामने एक टूटी-फूटी हवेली है—उसमें एक भूत रहता है, वहाँ चले जाओ, वो तुम्हें अपने-आप मार देगा।

उस आदमी की सलाह से वह पुरानी हवेली में चला गया और जब बहुत देर इंतजार करने के बाद भी कोई भूत नहीं आया तो वहाँ पड़ी एक चारपाई पर लेट गया और कुछ देर में उसे गहरी नींद आ गई। आधी रात के बाद वहाँ भूत ने प्रवेश किया तो वह आराम से सोता रहा, उसकी आँख नहीं खुली। वह उसी प्रकार सोता रहा और वो हिला तक नहीं। भूत ने अन्त में उसको जब जगाया तो उस आदमी ने पूछा, 'तुम कौन हो?' भूत ने जवाब दिया, 'मैं भूत हूँ और तुम्हें मारूँगा।' आदमी फिर बोला, 'जल्दी करो, मुझे मार दो, मैं तो तुम्हारा रात-भर से इंतजार करते-करते सो गया था।' 'क्या?' भूत की आँखें आश्चर्य से फट गईं, 'तुम क्यों मरना चाहते हो?' उसने पूछा।

मरना चाहने वाले व्यक्ति ने अपनी गरीबी की पूरी दास्तान सुनाई और बतलाया कि इस तरह जीना कोई जीना है क्या? इसलिए वो मरना चाहता है।

